UGC NET PAPER 2 NOVEMBER 05, 2017 SHIFT 1 MAITHILI QUESTION PAPER

Note : This paper contains **fifty (50)** objective type questions of **two (2)** marks each. **All** questions are **compulsory**.

नोट : एहि प्रश्नपत्रमे **पचास (50)** बहु–विकल्पीय प्रश्न अछि। प्रत्येक प्रश्नक **दू (2)** अंक निर्धारित अछि। **सभ** प्रश्नक उत्तर देबाक अछि।

1. 'रमणीयार्थः प्रतिपादकः शब्दः काव्यम्' कहने छथि :

(1) जयदेव (2) कुन्तक (3) जगन्नाथ (4) क्षेमेन्द्र

2. 'ओज' भेद थिक :

(1) रीतिक (2) गुणक (3) दोषक (4) शब्दशक्तिक

3. 'यश–प्राप्ति' थिक :

(1) काव्यक कारण (2) काव्यक भेद (3) काव्यक लक्षण (4) काव्यक प्रयोजन

4. 'निर्वेद' स्थायीभाव थिक :

(1) हास्यक (2) श्रृंगारक (3) शान्तक (4) रौद्रक

5. 'वैदर्भी' भेद थिक :

(1) दोषक (2) रीतिक (3) अभिधाक (4) व्यंजनाक

6. ''तुहिन शीतलो चन्द्ररूचि, देल विरहि कैं दाह।
दैव विमुख भेलैं जनक, नीको कर अधलाह॥'' मे अलंकार अछि :

(1) विभावना (2) उपमा (3) उत्प्रेक्षा (4) संदेह

7. यदि एक शब्दक दू वा दू सँ अधिक बेर अर्थभिन्नताक संग आवृत्ति हो तँ अलंकार होइत अछि :

(1) अर्थान्तरन्यास (2) अप्रस्तुतप्रशंसा (3) यमक (4) काव्यलिंग

8. 'सट्टक' भेद अछि :

(1) चम्पूक (2) खंडकाव्यक (3) रूपकक (4) उपरूपकक

Prepp
Your Personal Exams Guide

9. रमानन्द झा 'रमण' छथि :

(1) नाटककार (2) महाकाव्यकार (3) समालोचक (4) उपन्यासकार

10. 'चर्याचर्यविनिश्चय' सामग्री अछि :

(1) आदिकालक (2) मध्यकालक (3) आधुनिक कालक (4) अत्याधुनिक कालक

11. ज्योतिरीश्वरक समकालीन मानल जाइत छथि :

(1) नरसिंह (2) हरिसिंह (3) देवसिंह (4) शिवसिंह

12. अन्तिम कीर्त्तनिञा नाटककार छथि :

(1) उमापति (2) जगज्ज्योतिर्मल्ल (3) हर्षनाथ (4) गोपालदेव

13. 'प्रभावती हरण'क लेखक छथि :

(1) भूपतीन्द्रमल्ल (2) जगज्ज्योतिर्मल्ल (3) रणजीतमल्ल (4) जगत्प्रकाशमल्ल

14. माधवदेव नाटककार छथि :

(1) ओडिशाक (2) असमक (3) नेपालक (4) मिथिलाक

15. 'मालविकाग्निमित्र'क अनुवाद कएने छथि :

(1) गोविन्द झा (2) ईशनाथ झा (3) सुधाकर झा 'शास्त्री' (4) परमानन्द झा

16. 'ओकरा आङनक बारहमासा' लिखने छथि :

(1) लल्लन प्रसाद ठाकुर (2) उत्तम लाल मंडल
(3) महेन्द्र मलंगिया (4) अरविन्द 'अक्कू'

17. 'मिथिलाक इतिहास' प्रकाशित अछि :

(1) ग्रन्थालय सँ (2) साहित्यिकी सँ (3) मैथिली मंदिर सँ (4) मैथिली अकादमी सँ

18. 'जीवन-संघर्ष' संकलित अछि :

(1) 'एकांकी चयनिका'मे (2) 'एकांकी-संगह'मे
(3) 'संकलन'मे (4) 'प्रबन्ध-पारिजात'मे

Prepp Your Personal Exam Guide

Prepp
Your Personal Exams Guide

19. 'बड़की काकी @ हॉटमेल डॉट कॉम' लेल साहित्य अकादेमी सँ पुरस्कृत छथि :

(1) प्रेममोहन मिश्र (2) चन्दन कुमार झा (3) श्याम दरिहरे (4) अरुणा चौधरी

20. पारिवारिक वर्गीकरण होइछ :

(1) नाटकक (2) इतिहासक (3) व्याकरणक (4) भाषाक

21. 'मौसी'क विकासक्रम भेल अछि :

(1) पितृष्वसा सँ (2) मातृष्वसा सँ (3) मातुलष्वसा सँ (4) ष्वसा सँ

22. 'काव्य-वाटिका'क प्रणयन कयने छथि :

(1) रमण झा (2) फूलचन्द्र मिश्र 'रमण'
(3) आर.के. रमण (4) रमानन्द झा 'रमण'

23. 'मृगतृष्णा' थीक :

(1) निबंध-संग्रह (2) नाटक (3) उपन्यास (4) कथा-संग्रह

24. 'बिलाई मौसी'क लेखिका छथि :

(1) सोनी झा (2) नीता झा (3) उषा चौधरी (4) आशा मिश्र

25. साहित्य अकादेमी सँ पुरस्कृत अछि :

(1) एकावली-परिणय (2) दत्तवती (3) राधा-विरह (4) चाणक्य

26. 'अनुभव' अनूदित कृति थिकन्हि :

(1) देवेन्द्र झाक (2) महेन्द्र झाक (3) धीरेन्द्र 'धीर'क (4) प्रेमशंकर सिंहक

27. 'मैथिली उपन्यासक विकास' क सम्पादन कयने छथि :

(1) अजीत मिश्र (2) दमन कुमार झा (3) शिव प्रसाद यादव (4) अशोक अविचल

28. 'नव नाट्य पुष्प'क सम्पादन कयने छथि :

(1) रामलोचन ठाकुर एवं गजेन्द्र ठाकुर (2) कृष्ण कुमार ठाकुर एवं केष्कर ठाकुर
(3) रमानन्द झा 'रमण' एवं मोहन भारद्वाज (4) शैलेन्द्र आनन्द एवं हरिश्चन्द्र 'हरित'

Prepp Your Personal Exam Guide

29. वीरेन्द्र झा सम्पादन कयने छथि :
(1) मैथिली भाषिकी : मैथिली भाषाक प्रकृति ओ प्रकार्य
(2) भारतक भाषा सर्वेक्षण
(3) मैथिली भाषा : सर्वेक्षण आ विश्लेषण
(4) मैथिलीक उद्‌गम ओ विकास

30. 'ई बतहा संसार' उपन्यासक रचयिता छथि :
(1) प्रभास कुमार चौधरी (2) धीरेश्वर झा 'धीरेन्द्र'
(3) राजकमल (4) सुधांशु 'शेखर' चौधरी

31. 'सूर्य गलि रहल अछि' कथा-संग्रहक प्रणेता छथि :
(1) सुभाषचन्द्र यादव (2) जीवकान्त (3) राजमोहन झा (4) रमानन्द रेणु

32. 'पुष्करिणी' कविता-संग्रहक रचयिता छथि :
(1) जय नारायण झा 'विनीत' (2) रमानाथ मिश्र 'मिहिर'
(3) कुमुदनाथ मिश्र 'कुमुद' (4) सोमदेव

33. 'उत्सर्ग' खंडकाव्यक रचयिता छथि :
(1) शशिबोध मिश्र 'शशि' (2) दामोदर लालदास
(3) लक्ष्मण झा (4) केदारनाथ 'लाभ'

34. 'निकष'क सम्पादक छथि :
(1) हित नारायण झा (2) शैलेन्द्र मोहन झा (3) राजनन्दन लालदास (4) सत्यानन्द पाठक

35. 'बौद्धगान मे तान्त्रिक सिद्धान्त'क लेखक छथि :
(1) बुद्धिधारी सिंह (2) प्रबोध नारायण सिंह
(3) माहेश्वरी सिंह 'महेश' (4) जयधारी सिंह

36. 'मैथिलीक नेना गीत' लिखने छथि :
(1) प्रफुल्ल कुमार सिंह 'मौन' (2) अणिमा सिंह
(3) राजेश्वर झा (4) महेन्द्र नारायण राम

Prepp
Your Personal Exams Guide

37. लक्ष्मीपति सिंहक उपन्यास छन्हि :

(1) रंजना (2) ठुमुकि बहू कमला (3) पंचवटी (4) एक छलीह महारानी

38. 'ग्राम गणराज्य' लिखने छथि :

(1) शैलेन्द्र मोहन झा (2) विद्यानाथ झा 'विदित'

(3) लेखनाथ मिश्र (4) जीवकान्त

39. उमानाथ झाक कथा-संग्रह अछि :

(1) चाही एकटा द्रौपदी (2) एक युगक बाद (3) वीरभोग्या (4) रेखाचित्र

40. 'साँझक गाछ' कथा-संग्रहक सम्पादक छथि :

(1) विवेकानन्द ठाकुर (2) शरदिन्दु चौधरी

(3) देवशंकर नवीन (4) राम भरोस कापड़ि 'भ्रमर'

41. 'यायावरी' लिखने छथि :

(1) सुभद्र झा (2) शेफालिका वर्मा (3) चेतकर झा (4) भाग्य नारायण झा

42. 'बिसरल-बिसरल' थिकन्हि :

(1) कालीकान्त झा 'बूच'क (2) तारानन्द वियोगीक

(3) ताराकान्त मिश्रक (4) हंसराजक

43. दीनबन्धु झा पर विनिबन्ध लिखने छथि :

(1) आनन्द मिश्र (2) मदनेश्वर मिश्र (3) किशोरनाथ झा (4) उपेन्द्र नाथ झा 'व्यास'

44. 'मैथिली' शोध-पत्रिका प्रकाशित होइत अछि :

(1) पटना विश्वविद्यालय, पटना सँ

(2) कोल्हान विश्वविद्यालय, चाईबासा सँ

(3) ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा सँ

(4) तिलका माँझी भागलपुर विश्वविद्यालय, भागलपुर सँ

45. 'पोखरि रजोखरि' उपन्यास धारावाहिक रूपमे प्रकाशित भेल अछि :

(1) कर्णामृत मे (2) मिथिला-दर्शन मे (3) घर-बाहर मे (4) गाम-घर मे

Prepp
Your Personal Exams Guide

निर्देश : निम्न गद्यांशकेँ ध्यानपूर्वक पढ़ि ओहिसँ सम्बद्ध प्रश्नावली (प्रश्न संख्या **46** सँ **50**)क उत्तर देबाक लेल बहु-विकल्पसँ सही विकल्पक चयन करू :

कोनो काव्यक श्रोता वा पाठक जाहि विषयकेँ मनमे आनि रति, करुणा, क्रोध, उत्साह इत्यादि भाव तथा सौन्दर्य, रहस्य, गाम्भीर्य इत्यादि भावनाक अनुभव करैत अछि ओ केवल ओकरे हृदयसँ सम्बद्ध नहि होइछ; मनुष्य मात्रक भावनात्मक सत्ता पर प्रभाव देबएवला होइत अछि। एही कारणेँ उक्त काव्यकेँ एक संग पढ़ए वा सुनए बला सहस्र लोक ओही भाव वा भावनाक कम वा बहुत बेसी अनुभव कए सकैत अछि। जाधरि कोनो भावक कोनो विषय एहि रूपमे नहि लाओल जाइत अछि जे ओ सामान्यत: सभकेँ ओही भावक आलम्बन भए सकैक ताधरि ओहिमे रसोद्‌बोधनक पूर्ण शक्ति नहि अबैछ। एही रूपमे लाओल जाएब हमरा ओतए 'साधारणीकरण' कहबैत अछि। ई सिद्धान्त घोषित करैत अछि जे वास्तविक कवि ओएह अछि, जकरा लोक-हृदयक पहिचान होअए, जे अनेक विशेषता ओ विचित्रताक बीच मनुष्य जातिक सामान्य हृदयकेँ देखि सकए। एही लोक-हृदयमे लीन होएबाक दशाक नाम रस-दशा अछि। कोनो कथामे वर्णित कोनो पात्रक कोनो कुरूप आ दु:शील स्त्रीपर प्रेम भए सकैत अछि, मुदा ओही स्त्रीक वर्णन द्वारा शृंगार रसक आलम्बन नहि ठाढ़ भए सकैत अछि, तेँ एहन काव्य भाव-प्रदर्शन मात्र होएत; विभाव-विधायक कहियो नहि भए सकैछ। एही प्रकार सँ रौद्र रसक वर्णनमे जाधरि आलम्बनक चित्रण एहि रूपमे नहि होएत जे ओ मनुष्य मात्रक क्रोधक पात्र भए सकए, ताधरि ओ वर्णन भाव-प्रदर्शनक मात्र रहत; ओकर विभाव-पक्ष शून्य अथवा अशक्त होएत, मुदा भाव आ विभाव दूनू पक्षक सामंजस्यक बिनु सम्पूर्ण आ वास्तवमे रसानुभूति नहि भए सकैत अछि। केवल भाव-प्रदर्शनक काव्यमे सेहो होइत ई अछि जे पाठक वा श्रोता अपन दिससँ स्वयंक भावनाक अनुसार आलम्बन आरोप कएने रहैत अछि।

46. रसोद्‌बोधनक लेल आवश्यक अछि :

(1) भावक उद्दीपन (2) भावक आलम्बन (3) भावक शबलता (4) भावक विरोध

47. वास्तविक कवि छथि, जिनका छनि :

(1) लोकगीतक पहिचान
(2) लोकसंस्कृतिक पहिचान
(3) लोक-हृदयक पहिचान
(4) लोक भावक पहिचान

48. रस-दशा थिक :

(1) लोकमनमे विलीन होएबाक दशा
(2) जन-मनमे खचित होएबाक दशा
(3) जन-मनमे विलीन होएबाक दशा
(4) लोक-हृदयमे लीन होएबाक दशा

49. कुरूप स्त्रीपर प्रेमसँ आलम्बन नहि ठाढ़ भए सकैत अछि :

(1) वीभत्स रसक (2) शृंगार रसक (3) हास्य रसक (4) रौद्र रसक

50. रौद्र रसक वर्णनक लेल आवश्यक अछि :

(1) उत्साहक पात्र बनब (2) हास्यक पात्र बनब (3) क्रोधक पात्र बनब (4) भयक पात्र बनब

- o O o -

prepp Your Personal Exam Guide